भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 263

दिनांक 03.02.2021 को उत्तर देने के लिए

आकांक्षी जिला कार्यक्रम

263. श्री दिलेश्वर कामैत:

श्री निहाल चन्द चौहान:

श्रीमती जसकौर मीना:

श्री जी. एम. सिद्देश्वर:

श्री अब्दुल खालेक:

श्रीमती गीता कोडा:

श्री राम मोहन नायडू किंजरापु:

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आकांक्षी जिला कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं, मानदंड, संकेतक और चयन हेतु सर्वेक्षण क्या है;

(ख) आंध्र प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और बिहार सहित संपूर्ण देश में किन जिलों का आकांक्षी जिलों के रूप में चयन किया गया है;

(ग) देश में उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान, झारखंड और बिहार सहित अन्य राज्यों के जिलों के लिए आबंटित और प्रयुक्त निधि और स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है और उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत आज की तारीख तक क्या उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं तथा किन-किन मुख्य क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है;

(ङ) क्या सरकार का उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत दौसा सहित असम, बिहार और झारखंड के जिलों सहित राज्य-वार और जिलों को शामिल/कवर करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो उक्त को कब तक शामिल/कवर किए जाने की संभावना है; और

(च) क्या सरकार ने आकांक्षी जिलों का चयन करते समय वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हो रहे जिलों या संकेंद्रित क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय

तथा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) 26 राज्यों एवं 1 संघ राज्य क्षेत्र में 112 आकांक्षी जिले हैं। इनका चयन प्रकाशित डाटा के आधार पर पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया गया था। इन जिलों के चयन के लिए डाटा सेट की सूची और उनसे सम्बद्ध भारांक *अनुलग्नक-I* में संलग्न है।

जहां तक कार्यक्रम की मुख्य विशेषता का संबंध है, इसका उद्देश्य इन क्षेत्रों के पिछड़े जिलों में तेजी से ऐसा बदलाव लाना है, जो जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने अथवा नागरिकों की आर्थिक उत्पादकता के लिए महत्वपूर्ण है। ये क्षेत्र स्वास्थ्य एवं पोषण, स्कूली शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास तथा मूलभूत अवसंरचना के हैं। इन क्षेत्रों में 49 मुख्य निष्पादक संकेतकों का चयन किया गया है और जिले के कार्य निष्पादन की निगरानी इन संकेतकों पर की गई प्रगति के आधार पर की जाती है। आकांक्षी जिले कार्यक्रम की व्यापक कार्यनीति 3 सी - (केंद्र और राज्यों की योजनाओं के मध्य) अभिसरण, (केंद्र, राज्य, जिला प्रशासन, विकास भागीदार एवं नागरिकों के मध्य) सहयोग और प्रतिस्पर्धा (जिलों के बीच) पर निर्भर करती है। प्रत्येक माह, की गई प्रगति के आधार पर जिलों की रैंकिंग की जाती है और यह उन्हें प्रतिस्पर्धा की भावना से प्रेरित करती है जिसके परिणामस्वरूप तीव्र सुधार होता है, ताकि इस कार्यक्रम के तहत डाटा गुणवत्ता में सुधार हो, अतः महत्वपूर्ण संकेतकों का तृतीय-पक्ष वैधीकरण का प्रावधान है। कार्यक्रम की अगली कार्यनीति प्रत्येक जिले के लिए केंद्रीय प्रभारी अधिकारियों के रूप में भारत सरकार के संयुक्त सचिव/अपर सचिव स्तर के पदाधिकारियों को नामित करना है। इन प्रभारी अधिकारियों की भूमिका अपने लम्बे अनुभव के आधार पर जिला प्रशासन का मार्गदर्शन करने की है।

(ख) सभी 112 आकांक्षी जिलों की राज्य-वार सूची *अनुलग्नक-II* के रूप में संलग्न है।

ग) चूँकि कार्यक्रम की मुख्य कार्यनीति मौजूदा योजनाओं के अभिसरण पर आधारित है, जिनके पास स्वयं के वित्तपोषण की व्यवस्था है, अतिरिक्त निधि के बड़े जलसेक की परिकल्पना नहीं की गई है। हालांकि, प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ावा देने के लिए और महत्वपूर्ण अंतराल का सामना करने के लिए, चुनौतियों के माध्यम से अतिरिक्त आबंटन की परिकल्पना की गई है। प्रति महीना, जिलों को मासिक प्रगति के आधार पर आंका जाता है और समग्र रूप से और पाँच क्षेत्रों में से प्रत्येक में बेहतरीन प्रदर्शन देनेवाले जिलों को चिह्नित किया जाता है। समग्र रूप से प्रथम एवं द्वितीय रैंक में आनेवालों को क्रमशः 10 करोड़ रुपए और 5 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जाती है। पाँच क्षेत्रों में से प्रत्येक में प्रथम स्थान पर आने वालों प्रत्येक जिले को 3 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम की शुरुआत से जनवरी 2021 तक आकांक्षी जिलों को कुल लगभग 305.94 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। राजस्थान, झारखंड और बिहार से प्रदर्शन के आधार पर अतिरिक्त आबंटन की मंजूरी प्राप्त जिलों की सूची अनुलग्नक-III में दी गई है।

घ) कार्यक्रम की कार्यनीति प्रतिस्पर्धी भावना पैदा करना है ताकि प्रत्येक महीने में जिले बेहतर प्रगति दिखा सकें। जबकि कार्यक्रम का लक्ष्य संकेतकों में प्रगति को सुनिश्चित करना है ताकि ये जिले राज्य औसत के स्तर पर आ सके, इन संकेतकों के लिए केंद्र सरकार ने कोई वर्षवार विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किए हैं।

ङ) वर्तमान में, सरकार का आकांक्षी जिलों की सूची के विस्तार का कोई प्रस्ताव नहीं है।

च) जी हाँ, आकांक्षी जिलों की शुरुआती संक्षिप्त सूची बनाने के दौरान, गृह मंत्रालय ने वामपंथी अतिवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित 35 जिलों को कार्यक्रम में जोड़ने की सिफारिश की थी और सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया था। इन 35 जिलों की सूची जो 112 जिलों में है और वामपंथी अतिवाद से प्रतिकूल रूप से प्रभावित होने के आधार पर चुने गए थे, को *अनुलग्नक-IV* में रखा गया है।

****

अनुलग्नक-I

आकांक्षी जिलों के चयन के लिए उपयोग किए जाने वाले डेटा सेट और भारांक की सूची

डेटाबेस	क्षेत्रक	भारांक
शारीरिक श्रम पर निर्भर भूमिहीन परिवार *(सामाजिक-आर्थिक जातीय जनगणना-वंचन 7)*	वंचन (25%)	25 %
प्रसव-पूर्व देखभाल *[राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार सर्वेक्षण(एनएचएफएस)-4]*	स्वास्थ्य और पोषण (30%)	7.5 %
सांस्थानिक प्रसव *(एनएचएफएस-4)*		7.5 %
5 वर्ष से कम के बच्चों का अवरुद्ध विकास *(एनएचएफएस-4)*		7.5 %
5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में यक्ष्मा रोग *(एनएचएफएस-4)*		7.5 %
प्रारंभिक स्कूल छोड़ने की दर *[एकीकृत ज़िला शिक्षा सूचना प्रणाली (यू-डीआईएसई) 2015-16]*	शिक्षा (15%)	7.5 %
प्रतिकूल विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात *(यू-डीआईएसई 2015-16)*		7.5 %
बिजलीरहित परिवार *(विद्युत मंत्रालय)*	इन्फ्रा (15%)	7.5 %
व्यक्तिगत शौचालय रहित परिवार *(पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय)*		7.5 %
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से अछूते गांव *(ग्रामीण विकास मंत्रालय)*		7.5 %
जल सुविधारहित ग्रामीण परिवार *(पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय)*		7.5 %
कुल		**100%**

अनुलग्नक-II

112 आकांक्षी ज़िलों की सूची

क्र.सं.	राज्य	ज़िला
1	आंध्रप्रदेश	विजयनगरम
2	आंध्रप्रदेश	विशाखापत्तनम
3	आंध्रप्रदेश	वाईएसआर कडपा
4	अरुणाचल प्रदेश	नमसाई
5	असम	ग्वालपाड़ा
6	असम	बारपेटा
7	असम	हैलाकांडी
8	असम	बक्सा
9	असम	दरांग
10	असम	उदालगुड़ी
11	असम	धुबरी
12	बिहार	सीतामढ़ी
13	बिहार	अररिया
14	बिहार	पूर्णिया
15	बिहार	कटिहार
16	बिहार	मुजफ्फरपुर
17	बिहार	बेगूसराय
18	बिहार	खगड़िया
19	बिहार	बांका
20	बिहार	शेखपुरा
21	बिहार	औरंगाबाद
22	बिहार	गया
23	बिहार	नवादा
24	बिहार	जमुई
25	छत्तीसगढ़	कोरबा
26	छत्तीसगढ़	राजनंदगांव
27	छत्तीसगढ़	महासमुंद
28	छत्तीसगढ़	कांकेर
29	छत्तीसगढ़	नारायणपुर
30	छत्तीसगढ़	दंतेवाड़ा
31	छत्तीसगढ़	बीजापुर
32	छत्तीसगढ़	बस्तर
33	छत्तीसगढ़	कोंडागांव
34	छत्तीसगढ़	सुकमा
35	गुजरात	दाहोद
36	गुजरात	नर्मदा

37	हरियाणा	मेवात
38	हिमाचल प्रदेश	चंबा
39	जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र	कुपवाड़ा
40	जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र	बारामूला
41	झारखंड	गढ़वा
42	झारखंड	चतरा
43	झारखंड	गिरिडीह
44	झारखंड	गोड्डा
45	झारखंड	साहिबगंज
46	झारखंड	पाकुर
47	झारखंड	बोकारो
48	झारखंड	लोहरदगा
49	झारखंड	पूर्वी सिंहभूम
50	झारखंड	पलामू
51	झारखंड	लातेहार
52	झारखंड	हजारीबाग
53	झारखंड	रामगढ़
54	झारखंड	दुमका
55	झारखंड	रांची
56	झारखंड	खूंटी
57	झारखंड	गुमला
58	झारखंड	सिमडेगा
59	झारखंड	पश्चिमी सिंहभूम
60	कर्नाटक	रायचूर
61	कर्नाटक	यादगीर
62	केरल	वायनाड
63	मध्यप्रदेश	छतरपुर
64	मध्यप्रदेश	दमोह
65	मध्यप्रदेश	बड़वानी
66	मध्यप्रदेश	राजगढ़
67	मध्यप्रदेश	विदिशा
68	मध्यप्रदेश	गुना
69	मध्यप्रदेश	सिंगरौली
70	मध्यप्रदेश	खंडवा
71	महाराष्ट्र	नंदुरबार
72	महाराष्ट्र	वाशिम
73	महाराष्ट्र	गडचिरौली
74	महाराष्ट्र	उस्मानाबाद
75	मणिपुर	चंदेल

76	मेघालय	रिभोई
77	मिज़ोरम	मामित
78	नगालैंड	किफायर
79	ओडिशा	ढेंकनाल
80	ओडिशा	गजपति
81	ओडिशा	कंधमाल
82	ओडिशा	बलांगीर
83	ओडिशा	कालाहांडी
84	ओडिशा	रायगढ़
85	ओडिशा	कोरापुट
86	ओडिशा	मल्कानगिरी
87	ओडिशा	नबरंगपुर
88	ओडिशा	नुआपाड़ा
89	पंजाब	मोगा
90	पंजाब	फिरोजपुर
91	राजस्थान	धौलपुर
92	राजस्थान	करौली
93	राजस्थान	जैसलमेर
94	राजस्थान	सिरोही
95	राजस्थान	बारन
96	सिक्किम	पश्चिम सिक्किम
97	तमिलनाडु	विरुधुनगर
98	तमिलनाडु	रामनाथपुरम
99	तेलंगाना	आसिफाबाद
100	तेलंगाना	भूपलपल्ली
101	तेलंगाना	भद्राद्रि कोठागुडेम
102	त्रिपुरा	धलाई
103	उत्तरप्रदेश	चित्रकूट
104	उत्तरप्रदेश	फतेहपुर
105	उत्तरप्रदेश	बहराईच
106	उत्तरप्रदेश	श्रावस्ती
107	उत्तरप्रदेश	बलरामपुर
108	उत्तरप्रदेश	सिद्धार्थनगर
109	उत्तरप्रदेश	चंदौली
110	उत्तरप्रदेश	सोनभद्र
111	उत्तराखंड	उधम सिंह नगर
112	उत्तराखंड	हरिद्वार

-

अनुलग्नक – III

राजस्थान, झारखंड और बिहार के आकांक्षी जिलों की सूची, जिन्हें प्रदर्शन के आधार पर अतिरिक्त आवंटन स्वीकृत किया गया है, और

जिला	राज्य	राशि (रु. में)
जैसलमेर	राजस्थान	2,99,31,000
धौलपुर	राजस्थान	5,00,00,000
धौलपुर	राजस्थान	5,00,00,000
करौली	राजस्थान	3,00,00,000
	कुल	**15,99,31,000**
पूर्वी सिंहभूम	झारखंड	2,99,97,000
खूंटी	झारखंड	3,00,00,000
साहिबगंज	झारखंड	9,92,73,400
पाकुर	झारखंड	4,92,05,500
दुमका	झारखंड	4,50,00,000
रांची	झारखंड	5,00,00,000
लोहारदगा	झारखंड	3,00,00,000
पलामू	झारखंड	10,00,00,000
दुमका	झारखंड	4,50,00,000
घरवा	झारखंड	4,80,00,000
लातेहर	झारखंड	4,89,70,400
खूंटी	झारखंड	3,00,00,000
सिमडेगा	झारखंड	3,00,00,000
लातेहर	झारखंड	4,89,70,400
	कुल	**68,44,16,700**
बेगुसराय	बिहार	5,00,00,000
गया	बिहार	2,92,50,000
जमुई	बिहार	3,00,00,000
नवादा	बिहार	1,14,00,000
अररिया	बिहार	97,15,660
पूर्णिया	बिहार	2,63,03,753
कटिहार	बिहार	3,00,00,000
	कुल	**18,66,69,413**

वामपंथी अतिवाद (एलडब्ल्यूई) से बाधित 35 जिले

क्र.सं.	राज्य	जिला
1	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम
2	बिहार	मुजफ्फरपुर
3	बिहार	बांका
4	बिहार	औरंगाबाद
5	बिहार	नवादा
6	बिहार	गया
7	बिहार	जमुई
8	छत्तीसगढ़	बीजापुर
9	छत्तीसगढ़	राजनंदगांव
10	छत्तीसगढ़	कांकेर
11	छत्तीसगढ़	नारायणपुर
12	छत्तीसगढ़	दंतेवाड़ा
13	छत्तीसगढ़	बस्तर
14	छत्तीसगढ़	कोंडगांव
15	छत्तीसगढ़	सुकमा
16	झारखंड	घरवा
17	झारखंड	छत्रा
18	झारखंड	गिरीडीह
19	झारखंड	बोकारो
20	झारखंड	लातेहर
21	झारखंड	हजारीबाग
22	झारखंड	रामगढ़
23	झारखंड	दुमका
24	झारखंड	खूंटी
25	झारखंड	गुमला
26	झारखंड	सिमडेगा
27	झारखंड	पूर्वी सिंहभूम
28	झारखंड	लोहरदगा
29	झारखंड	पलामू
30	झारखंड	पश्चिमी सिंहभूम
31	झारखंड	रांची
32	महाराष्ट्र	गढ़चिरौली
33	ओडिशा	मलकानगिरी
34	ओडिशा	कोरापुट
35	तेलंगाना	भद्राद्रि कोठागुडेम